भारत-अरब लीग संबंध: संस्कृतियों को जोड़ना, रणनीतिक अवसर बनाना

UPSC प्रासंगिकता

- **सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II:** भारत-पश्चिम एशिया संबंध, बहुपक्षीय कूटनीति, सुरक्षा सहयोग।
- **सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III:** व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी कॉरिडोर, रक्षा विनिर्माण।

IAS-PCS Institute

चर्चा में क्यों?

नई दिल्ली में आयोजित **द्वितीय भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक (30-31 जनवरी, 2026)**, 22 सदस्यीय अरब लीग के प्रति भारत की एक महत्वपूर्ण राजनयिक पहुंच को दर्शाती है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया संघर्षों, बदलते गठबंधनों और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के क्षरण का गवाह बन रहा है।

पृष्ठभूमि: भारत-अरब लीग जुड़ाव का विकास

अरब देशों के संगठन (LAS) की स्थापना 1945 में अरब दुनिया के प्रमुख क्षेत्रीय संगठन के रूप में की गई थी। हालाँकि भारत के अरब समाजों के साथ सभ्यतागत और व्यापारिक संबंध सदियों पुराने हैं, लेकिन अरब लीग के साथ औपचारिक जुड़ाव 2002 में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर के साथ शुरू हुआ, जिसने राजनीतिक संवाद को संस्थागत रूप दिया।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

प्रमुख मील के पत्थर:

- 2008 में **अरब-भारत सहयोग मंच (AICF)** की स्थापना।
- मिस्र में भारत के राजदूत को अरब लीग (LAS) के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में नामित करना (2010)।
- भारत-LAS साझेदारी और निवेश शिखर सम्मेलन की शुरुआत।
- भारत-अरब देशों के वाणिज्य, उद्योग और कृषि मंडलों (Chambers of Commerce) का उद्घाटन।

ये तंत्र द्विपक्षीय जुड़ाव से हटकर एक संरचित क्षेत्रीय कूटनीति की ओर भारत के बदलाव को दर्शाते हैं।

रणनीतिक संदर्भ: आज यह साझेदारी क्यों महत्वपूर्ण है?

यह जुड़ाव निम्नलिखित वैश्विक परिस्थितियों के बीच हो रहा है:

- ईरान, सीरिया और गाजा में जारी अस्थिरता।
- सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ियों के बीच उभरते मतभेद।
- प्रतिद्वंद्वी सैन्य गठबंधनों का बढ़ता जोखिम।
- बहुपक्षवाद का पतन और शक्ति-आधारित भू-राजनीति का उदय।

भारत के लिए, पश्चिम एशिया कोई बाहरी क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह उसकी **ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्ग, प्रवासी हितों और समुद्री रणनीति** के लिए केंद्रीय है।

भारत-अरब लीग जुड़ाव के मुख्य स्तंभ

1. रणनीतिक और राजनीतिक अभिसरण (Convergence)

पिछले दशक में, भारत ने निम्नलिखित देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी समझौते किए हैं:

- ओमान (2008), यूएई (2015), सऊदी अरब (2019), मिस्र (2023), कतर (2025)। लंबी अवधि के राष्ट्रीय दृष्टिकोणों के बीच भी गहरा तालमेल है:
- **सऊदी विजन 2030, यूएई सेंटेनियल 2071, ओमान विजन 2040** और भारत का **विकसित भारत @2047**। भारत, सऊदी विजन 2030 के तहत आठ रणनीतिक भागीदारों में से एक है।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

2. व्यापार, निवेश और कनेक्टिविटी

- **व्यापार:** भारत-अरब लीग व्यापार $240 बिलियन से अधिक है। अकेले भारत-यूएई व्यापार $115 बिलियन को पार कर गया है (2030 तक $200 बिलियन का लक्ष्य)।
- **निवेश:** यूएई ($75 बिलियन), सऊदी अरब ($100 बिलियन) और कतर ($10 बिलियन) द्वारा बड़े निवेश की प्रतिबद्धता।
- **कनेक्टिविटी:** भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार स्वेज नहर, लाल सागर और अदन की खाड़ी से होकर गुजरता है।
- IMEC: G20 शिखर सम्मेलन (2023) में शुरू किया गया **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा** (IMEC), आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण के लिए रणनीतिक गहराई जोड़ता है।

3. डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) और फिनटेक

भारत का DPI सहयोग के एक नए स्तंभ के रूप में उभरा है:

- **RuPay कार्ड:** यूएई में संचालित।
- **UPI:** बहरीन, सऊदी अरब, कतर और यूएई में स्वीकृत।
- **रुपया-दिरहम निपटान प्रणाली** शुरू हो चुकी है और दुबई हवाई अड्डों पर भारतीय रुपया स्वीकार किया जाता है।

IAS,PCS Institute

4. ऊर्जा सुरक्षा

अरब लीग क्षेत्र भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है:

- ~60% कच्चा तेल, ~70% प्राकृतिक गैस और 50% से अधिक उर्वरक।
- **प्रमुख विकास:** भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व में यूएई का निवेश और कतर के साथ $78 बिलियन का 20 वर्षीय एलएनजी (LNG) समझौता।

5. सुरक्षा, रक्षा और आतंकवाद विरोध

- ओमान, यूएई, सऊदी अरब, मिस्र और कतर के साथ रक्षा सहयोग समझौते।
- भारत के **SAGAR विजन** के तहत समुद्री सुरक्षा सहयोग।
- ओमान के **दुकम बंदरगाह** (Duqm Port) तक रणनीतिक पहुंच, जो भारत की नौसैनिक पहुंच को बढ़ाती है।
- अरब लीग के देशों ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लगातार भारत का समर्थन किया है।
- **उभरते क्षेत्र:** संयुक्त रक्षा उत्पादन (तेजस, ब्रह्मोस, आकाश का निर्यात), साइबर, अंतरिक्ष और ड्रोन सहयोग।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

चुनौतियां

- क्षेत्रीय अस्थिरता और अरब देशों के आंतरिक प्रतिद्वंद्विता।
- सैन्यीकरण और गठबंधन की राजनीति का जोखिम।
- प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय अभिनेताओं के साथ संबंधों को संतुलित करने की आवश्यकता।
- यह सुनिश्चित करना कि आर्थिक जुड़ाव जन-केंद्रित विकास में बदले।

आगे की राह

1. नेतृत्व-स्तर की कूटनीति से आगे बढ़कर संस्थागत तंत्र को गहरा करना।
2. आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के लिए IMEC और समुद्री सहयोग का विस्तार करना।
3. समावेशी विकास के लिए DPI और फिनटेक का लाभ उठाना।
4. 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाना।
5. एक भरोसेमंद साथी के रूप में कार्य करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना।

IAS-PCS Institute

निष्कर्ष

जैसे-जैसे भारत एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, अरब लीग क्षेत्र उसके वैश्विक मैट्रिक्स के केंद्र में रहेगा। अरब देशों के लिए, भारत एक स्थिर, विश्वसनीय और हस्तक्षेप न करने वाला भागीदार है। भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक सभ्यतागत संबंधों को विश्वास, आपसी समृद्धि और साझा सुरक्षा पर आधारित भविष्योन्मुखी रणनीतिक साझेदारी में बदलने का एक सामयिक अवसर है।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न (Prelims Practice Questions)

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

प्रश्न 1. अरब देशों के संगठन (League of Arab States - LAS) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसकी स्थापना 1945 में अरब देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

2. भारत अपनी स्थापना के समय से ही अरब लीग का पूर्ण सदस्य रहा है।
3. अरब लीग का मुख्यालय काहिरा (Cairo) में स्थित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3 B. केवल 1 और 2 C. केवल 2 और 3 D. 1, 2 और 3

प्रश्न 2. अरब लीग देशों के साथ भारत का जुड़ाव रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, मुख्य रूप से:

1. ऊर्जा सुरक्षा और कच्चे तेल का आयात।
2. भारतीय प्रवासियों की उपस्थिति और प्रेषित धन (Remittances)।
3. हिंद महासागर और लाल सागर में समुद्री सुरक्षा।

4. आतंकवाद विरोधी सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1 और 2 B. केवल 1, 2 और 3 C. 1, 2, 3 और 4 D. केवल 2 और 4

सही उत्तर: C

IAS-PCS Institute

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न (Mains Practice Question)

प्रश्न. "जैसे-जैसे भारत एक प्रमुख आर्थिक और भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, अरब लीग देशों के साथ उसके जुड़ाव ने नया महत्व प्राप्त कर लिया है।" भारत-अरब लीग संबंधों के रणनीतिक महत्व की चर्चा कीजिए और इस साझेदारी को और मजबूत करने के उपाय सुझाइए। (150–200 शब्द)

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806